आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 27.12.2024

समय : 0705

<><><><><><><>

1. भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कॉग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह का बानबे वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

2. उपराज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने कल दो हजार चार की विनाशकारी सुनामी में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी।

3. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के लोकतंत्र की व्यापकता गुरूओं की शिक्षा, साहिबजादों के बलिदान और देश की एकता के मूल मंत्र पर आधारित है।

4. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सत्रह बच्चों को असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया।

<><><><><><><>

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कॉग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह का बानबे वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। कल शाम उनकी तबियत अचानक बिगडने पर दिल्ली के एम्स के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, जहां उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी ने डॉ. मनमोहन सिंह को याद करते हुए उनके साथ किए काम को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर वे एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। संसद के उनके हस्तक्षेप भी बहुत ही व्यावहारिक थे। हमारे प्रधानमंत्री के रूप में जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह उन विरले राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में सामान रूप और सहजता से कार्य किया। इसके अलावा देश के सभी दिग्गज नेताओं ने भी उनके निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। डॉ. मनमोहन सिंह प्रतिष्ठित नेताओं में से एक थे। उन्होंने देश की आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. सिंह ने अपने जीवन की शुरूआत एक अर्थशास्त्री के रूप में की और बाद में उन्होंने भारत सरकार के विभिन्न पदों पर कार्य किया। वे उन्नीस सौ बहत्तर से उन्नीस सौ छिहत्तर तक देश के मुख्य आर्थिक सलाहाकार रहे। उन्नीस सौ बयासी से पचासी तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। डॉ. मनमोहन सिंह उन्नीस सौ पचासी से सत्तासी तक योजना आयोग के अध्यक्ष रहे। डॉ. सिंह ने उन्नीस सौ इक्यानवे से छियानवे तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया, जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। अपने राजनीतिक जीवन में डॉ. सिंह उन्नीस सौ इक्यानवें से भारतीय संसद के उच्च सदन के सदस्य रहे, जहां वे उन्नीस सौ अठानवे से दो हजार चार तक विपक्ष के नेता थे। डॉ. मनमोहन सिंह दो हजार चार में आम चुनाव के बाद देश के चौदहवें प्रधानमंत्री बने और दो हजार नौ में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। वे दस वर्ष इस पद पर आसीन थे। उनके निधन पर देश में सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया।

<><><><><><><>

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल और द्वीप विकास एजेंसी के उपाध्यक्ष एडमिरल डी के जोशी ने कल द्वीपवासियों का नेतृत्व करते हुए दो हजार चार की विनाशकारी सुनामी में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। कल सुबह वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सुनामी स्मारक पर सुनामी की बीसवीं वर्षगांठ के अवसर पर अंडमान और निकोबार प्रशासन द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की प्रथम महिला, चित्रा जोशी, डी जी पी–एच जी एस धालीवाल और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर विनाशकारी सुनामी में जान गंवाने वालों की याद की गई।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में कल सुनामी की बीसवीं वर्षगांठ मनाई गई। इस सिलसिले में प्रशासन की ओर से जलक्रीड़ा परिसर स्थित सुनामी स्मारक में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैम्पबेल–बे के पुलिस हनुमान मंदिर स्थित सुनामी स्मारक पर मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने दिवंगत आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्षेत्र के सहायक आयुक्त केशव नरेन्द्र सिंह, खंड विकास अधिकारी शेखर राय, लक्ष्मी नगर पंचायत प्रधान प्रहलाद सिंह और गोविन्द नगर पंचायत प्रधान वेंकट राव ने भी दिवंगतों को पुष्पांजलि अर्पित की। सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत के लोकतंत्र की व्यापकता गुरूओं की शिक्षा, साहिबजादों के बलिदान और देश की एकता के मूल मंत्र पर आधारित है। कल नई दिल्ली में भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि गुरूओं की परंपरा ने हमें सबको समान आदर के साथ देखने की शिक्षा दी है और देश का संविधान भी हमें इसी विचार के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वीर साहिबजादों का जीवन हमें सिखाता है कि देश की अखंडता और विचारधारा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। श्री मोदी ने कहा कि संविधान लोगों को देश की संप्रभुता और एकता को सबसे ऊपर रखने के सिद्धांत की सीख देता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह बहुत छोटे थे मगर उनका साहस आकाश से भी ऊंचा था। उन्होंने कहा कि आज वीर बाल दिवस हमें सिखाता है कि कोई भी परिस्थिति कितनी भी कठिन क्यों ना हो देश और उसके हितों से बड़ी नहीं हो सकती। श्री मोदी ने कहा कि इतिहास में और वर्तमान में भी युवा ऊर्जा ने भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका अदा की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर इक्कीसवीं सदी के जन आंदोलनों तक देश के युवा ने हर क्रांति में योगदान किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान का भी शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं को मजबूती से लागू करना और इस कार्य में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कर पोषण व्यवस्था मजबूत करना है। लगभग साढ़े तीन हजार बच्चों और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से पुरस्कृत बालकों ने अन्य गणमान्य लोगों के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कल वीर बाल दिवस पर नई दिल्ली में असाधारण उपलब्धियों के लिए सत्रह बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। इन बच्चों को कला–संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण के क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने साहिबजादों की बहादुरी और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि यह दिन श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों के बलिदान और साहस का सम्मान करने करने का दिन है। राष्ट्रपति ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां देश के सभी नागरिकों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचानना और अवसर प्रदान करना देश की परंपरा का हिस्सा रहा है।

<><><><><><><>

वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में सागरिका एम्पोरियम का एक नया आउटलेट स्थापित किया गया है। इसका उद्घाटन मुख्य सचिव डॉ. चन्द्र भूषण कुमार ने किया। इस अवसर पर उद्योग सचिव डॉ. सत्येन्द्र सिंह दुरसावत, दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त अर्जुन शर्मा, हवाई अड्डा निदेशक देवेन्द्र यादव और उद्योग निदेशक राकेश दास भी उपस्थित थे।

<><><><><><><>

विद्युत विभाग द्वारा शिवाजी कॉलोनी रोड से एजेंसी हाउस जंक्शन, गराचर्मा तक खराब एरियल बंच्ड केबल को तत्काल बदलने के कारण आज सुबह दोपहर दो बजे तक भातूबस्ती, गराचरामा के कुछ हिस्सों, एजेंसी हाउस क्षेत्र, टी आर हाउसिंग क्षेत्र, एम आर हाउसिंग क्षेत्र, कोरल रीफ और लक्ष्मी मोटर्स क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। इसी प्रकार, छोलदारी सब–डिवीजन के अंतर्गत सिप्पीघाट साइट ऑफिस के काला पत्थर क्षेत्र के पास एच टी–एल टी लाइन के तत्काल रखरखाव के कारण कल सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक टेलराबाद, सिप्पीघाट, बिम्बलीटन जंक्शन, छोलदारी, पोर्टमोट, ओगराबराज, नामुनाघर, डंडस प्वाइंट, टुसनाबाद से तिरूर तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।।

<><><><><><><>